विषय– हिन्दी

हाईस्कूल–(कक्षा–10)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

(ब) निर्धारित पाठ्य वस्तु–

गद्य हेतु–

क्या लिखूँ– पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी
ईर्ष्या तू न गयी मेरे मन से–रामधारी सिंह दिनकर
पानी में चन्दा और चाँद पर आदमी– जय प्रकाश भारती

काव्य हेतु–

सुमित्रानन्दन पंत– चन्द्रलोक में प्रथमबार
माखन लाल चतुर्वेदी– जवानी
केदार नाथ सिंह– नदी
अशोक बाजपेयी– युवा जंगल
महादेवी वर्मा– वर्षा सुन्दरी के प्रति

संस्कृत हेतु– केन किं वर्धतेः,
अन्योक्तिविलासः,

संस्कृत एवं हिन्दी व्याकरण– समास– कर्मधारय, बहुव्रीहि।
सन्धि– वृद्धि
सर्वनाम–तद्, युष्मद्।
धातु रूप– दृश, पच्

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– हिन्दी

हाईस्कूल–(कक्षा–10)

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होंगा। **पूर्णांक 100**

1–(क) हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय (शुक्ल तथा शुक्लोत्तर युग)	5
(ख) हिन्दी पद्य का विकास का संक्षिप्त परिचय (रीतिकाल तथा आधुनिक काल)	5
2–गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से– सन्दर्भ रेखांकित अंश की व्याख्या तथ्यपरक प्रश्न	2+2+2=6
3–काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से सन्दर्भ व्याख्या काव्य सौन्दर्य	1+4+1=6
4–संस्कृत गद्यांश अथवा पद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद	1+3=4

5–निर्धारित पाठों के लेखकों एवं कवियों के जीवन परिचय एवं रचनायें 3+3=6

6–(1) संस्कृत के निर्धारित पाठों से कण्ठस्थ एक श्लोक 2

(जो प्रश्नपत्र में न आया हो)

(2) संस्कृत के निर्धारित पाठों पर आधारित दो अति लघुत्तरीय प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर 2

7–काव्य सौन्दर्य के तत्व– 2+2+2=6

क–रस–(हास्य एवं करूण रस की परिभाषा, उदाहरण, पहचान)

ख–अलंकार–(अर्थालंकार) उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा

ग–छन्द–सोरठा, रोला (लक्षण, उदाहरण, पहचान)

8–हिन्दी व्याकरण–शब्द रचना के तत्व 3+2+2+2+2=11

(क) उपसर्ग–अ, अन, अधि, अप, अनु, उप, सह, निर्, अभि, परि, सु।

(ख) प्रत्यय–आई, त्व, ता, पन, वा, हट, वट।

(ग) समास–द्वन्द्व, द्विगु,

(घ) तत्सम शब्द।

(ङ) पर्यायवाची।

9–संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद– 2+2+2+2=8

क–सन्धि–यण, (परिभाषा, उदाहरण, पहचान)

ख–शब्द रूप (सभी विभक्तियों एवं वचनों में)

संज्ञा–फल, मति, मधु, नदी।

ग–धातु रूप (लट्, लोट, लृट, विधिलिंग, लङ् लकारों में)

पठ, हस्,।

घ–हिन्दी के सरल वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद।

10–निबन्ध रचना–वैज्ञानिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक समस्याओं पर आधारित एवं जनसंख्या , स्वास्थ्य शिक्षा, पर्यावरण एवं यातायात के नियम पर आधारित विषय। 6

11–खण्ड काव्य–संक्षिप्त कथावस्तु, घटनायें, चरित्र–चित्रण 3

आन्तरिक मूल्यांकन–(प्रत्येक दो माह के अन्तिम सप्ताह में) 30 अंक

प्रथम– 10 अंक–वाचन (भाषण, वाद–विवाद, विचारों की अभिव्यक्ति आदि)

द्वितीय–10 अंक–व्याकरण सम्बन्धी

तृतीय– 10 अंक–सृजनात्मक निबन्ध, नाटक, कहानी, कविता, अपठित आदि।

(ब) निर्धारित पाठ्य वस्तु–

गद्य हेतु–

मित्रता	राम चन्द्र शुक्ल
ममता	जयशंकर प्रसाद
भारतीय संस्कृति	राजेन्द्र प्रसाद
अजन्ता	भगवत शरण उपाध्याय

काव्य हेतु–

सूरदास	पद
तुलसीदास	धनुष भंग, वन पथ पर
रसखान	सवैये, कवित्त
बिहारी लाल	भक्ति नीति
रामनरेश त्रिपाठी	स्वदेश प्रेम
मैथिलीषरण गुप्त	भारतमाता का मंदिर यह
महादेवी वर्मा	हिमालय से
सुमित्रानन्दन पंत	चींटी,
माखन लाल चतुर्वेदी	पुष्प की अभिलाषा
सुभद्रा कुमारी चौहान	झांसी की रानी की समाधि पर
अशोक बाजपेयी	भाषा एकमात्र अनन्त है
ष्याम नारायण पाण्डेय	हल्दीघाटी

संस्कृत हेतु–

वाराणसी, देशभक्तः चन्द्रशेखरः, छांदोग्योपनिषद षष्ठोध्यायः, भारतीयाः संस्कृतिः, वीरः वीरेण पूज्यते, आरूणि ष्वेतकेतु संवादः जीवन–सूत्राणि, प्रबुद्धोग्रामीणः।

खण्ड काव्य– (जिलेवार)

खण्ड काव्य के लिये–

निर्धारित पाठ्य वस्तु–

क्रमांक	पुस्तक का नाम	प्रकाशक का नाम	अनुदानित जिले
1	मुक्तिदूत	अशोक कुमार अग्रवाल, 43, चाहचन्द रोड, प्रयागराज	आगरा, बस्ती, गाजीपुर, फतेहपुर, बाराबंकी, उन्नाव।
2	ज्योति जवाहर	मोहन प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर	कानपुर, प्रतापगढ़, मिर्जापुर, ललितपुर, रामपुर, गोण्डा।
3	अग्रपूजा	हिन्दी भवन, 63 टैगोर नगर, प्रयागराज	प्रयागराज, आजमगढ़, मथुरा।
4	मेवाड़ मुकुट	शंकर प्रकाशन, 8/98 आर्यनगर, कानपुर	बुलन्दशहर, देवरिया, बरेली, सुल्तानपुर, सीतापुर, बहराइच।
5	जय सुभाष	रोहिताश्व प्रकाशन, 368 मालती सदन,	लखनऊ, सहारनपुर, फैजाबाद, बांदा, झांसी,

		ऐशबाग, लखनऊ	हरदोई।
6	मातृ भूमि के लिये	आधुनिक प्रकाशन गृह, दारागंज, प्रयागराज	गोरखपुर, मुरादाबाद, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, मैनपुरी, मुजफ्फरनगर।
7	कर्ण	बुनियादी साहित्य मन्दिर, पटना–4	अलीगढ़, जौनपुर, बलिया, हमीरपुर, एटा।
8	कर्मवीर भरत	हिन्दुस्तान बुक हाउस, अस्पताल रोड, परेड, कानपुर	मेरठ, फर्रूखाबाद, पीलीभीत, रायबरेली।
9	तुमुल	इन्डियन प्रेस पब्लिकेशन प्रा0 लि0, 36, पन्ना लाल रोड, प्रयागराज	वाराणसी, इटावा, बिजनौर, जालौन, बदायूँ।

नोट :–उपर्युक्त के अतिरिक्त अन्य जिलों/नये सृजित जिलों में खण्ड काव्य पूर्व वर्षों की भांति यथावत् पढ़ाये जायेंगे।